भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी वकास और गंगा संरक्षण वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या 3422

जिसका उत्तर 20 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

आदि गंगा में पानी की धारा को मोड़कर जलशोधन के कार्य में प्रगति

3422. श्री जगन्नाथ सरकार:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) आदि गंगा (टोली की नहर) में जलधारा को मोड़कर कए जा रहे जल शोधन के कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है और अब तक हा सल हुई भौतिक प्रगति का प्रतिशत कतना है;

(ख) 307.12 करोड़ रुपए के मूल अनुमान से 653.67 करोड़ रुपए के संशो धत अनुमान तक लागत में वृद् ध के क्या कारण हैं और सरकार द्वारा आगे लागत वृद् ध को नियंत्रित करने के लए क्या उपाय कए गए हैं/कए जा रहे हैं;

(ग) क्या अगस्त 2017 में मूल रूप से स्वीकृत परियोजना में वलंब हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और दिसंबर 2026 की संशो धत समापन समय-सीमा में योगदान देने वाले प्रमुख कारक क्या हैं;

(घ) कोलकाता में प्रदूषण नियंत्रण और जल प्रबंधन के लए परियोजना के महत्व को देखते हुए अब तक कुल कतना व्यय हुआ है और कम वत्तीय खर्च रिपोर्ट कए जाने के कारण क्या हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा आदि गंगा के पारिस्थितिक स्वास्थ्य को बहाल करने के लए परियोजना के समय पर पूरा होने और कुशल निष्पादन को सुनिश्चित करने के लए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से (ङ): टॉली नाला परियोजना को शुरू में एचएएम मॉडल पर 307.12 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ मंजूरी दी गई थी। व भन्न स्थल- व शष्ट चुनौतियों के कारण कई बार वस्तार के कारण बोली प्र क्रया लंबी हो गई। इसके अलावा, सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, बोली प्र क्रया असफल रही।

इसके बाद, पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध पर, टॉली नाला परियोजना के लए बोली मॉडल को एचएएम मॉडल से डीबीओटी मॉडल में बदल दिया गया। खराब प्रति क्रया मलने के कारण इसके कई बार वस्तारण की वजह से बोली प्र क्रया में देरी हुई। इसके अलावा, बोली प्र क्रया को उच्च उद्धृत लागत, सी मत प्रति क्रया और वश्व बैंक की सलाह सहित व भन्न कारकों के कारण रद्द कर दिया गया था।

आदि गंगा नदी (टॉली नाला), कोलकाता परियोजना के पुनरुद्धार संबंधी प्रदूषण निवारण कार्य हेतु संशो धत डीपीआर को 23 दिसंबर 2022 को आयोजित 46वीं ईसी बैठक में मंजूरी दी गई, जिसमें बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना (ईएपी) घटक (वश्व बैंक द्वारा वत्तपो षत) के तहत कुल परियोजना लागत 653.67 करोड़ रुपये है। यह परियोजना इस समय नि वदा चरण में है।

*****